web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 22 मार्च 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 172

भारत को 75 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता देगा जापान

आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के इरादे के साथ आपसी सहयोग के आठ करार दस्तावेजों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत एवं जापान ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच दुनिया में टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थापना एवं स्थायित्व के लिए आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के इरादे के साथ आपसी सहयोग के आठ करार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने भारत यात्रा के दौरान इंडो-पैसिफिक रीजन के लिए 75 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के बुनियादी ढांचे और सुरक्षा सहायता की घोषणा की है। किशिदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के बाद थिंक टैंक इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी।

इससे पहले किशिदा ने पीएम मोदी को हिरोशिमा में मई में आयोजित हो रहे जी-7 समूह के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। पीएम मोदी ने भी सितंबर में जी-20 के शिखर सम्मेलन में किशिदा की पुन: मेजबानी करने की अपेक्षा की।

किशिदा ने मुक्त और खुले भारत-प्रशांत के लिए अपनी दृष्टि को रेखांकित किया है। उन्होंने पूर्व जापानी प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे को इस सहायता का श्रेय दिया। जापान द्वारा घोषित 75 अरब डॉलर की सहायता राशि निजी क्षेत्र के साथ मिलकर 2030 तक उपलब्ध कराई जाएगी।

मोदी ने कहा, भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी हमारे साझा लोकतान्त्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय पटल पर कानून के शासन के सम्मान पर आधारित है। इस साझेदारी को मजबूत बनाना, हमारे दोनों देशों के लिए तो महत्वपूर्ण है ही, इससे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शान्ति, समृद्धि और स्थिरता को भी बढ़ावा मिलता है। आज हमारी बातचीत में, हमने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया, दोनों देशों ने रक्षा उपकरण और तकनीकी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य, और डिजिटल साझीदारी पर विचारों का आदान-प्रदान किया। सेमीकन्डक्टर और अन्य महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में विश्वस्त आपूर्ति श्रृंखला के महत्व पर भी हमारे बीच सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, पिछले साल हमने अगले पांच वर्षों में भारत में पांच ट्रिलियन येन, यानी तीन लाख 29 हजार करोड़ रुपए, के जापानी निवेश का लक्ष्य तय किया था। यह संतोष का विषय है कि इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा, वर्ष 2019 में हमने भारत जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मक साझेदारी की स्थापना की थी। इसके अंतर्गत हम हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, लघु एवं मध्यम उद्योग, कपड़ा उद्योग, मशीनरी और इस्पात जैसे क्षेत्रों में भारतीय इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा रहे हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल पर भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। क्करू ने कहा, मुझे इस बात की भी खुशी है कि हम 2023 को टूरिज्म एक्सचेंज वर्ष के रूप में मना रहे हैं, और इसके लिए हमने 'हिमालय एवं मांउट फूजी संपर्क' नाम का थीम चुना है।

मोदी ने कहा, आज प्रधानमंत्री किशिदा ने मुझे मई महीने में हिरोशिमा मे होने वाली जी 7 लीडर्स समिट के लिए निमंत्रण दिया। इसके लिए मैं उनका हृदय से धन्यवाद करता हूँ। इसके कुछ महीनों बाद सितम्बर में जी 20 लीडर्स समिट के लिए मुझे प्रधानमंत्री किशिदा का फिर से भारत में स्वागत करने का अवसर मिलेगा। हमारी कामना है कि बातचीत और संपर्कों का यह सिलसिला इसी प्रकार चलता रहे, और भारत-जापान संबंध लगातार नई ऊंचाइयों को छूते रहें।

किशिदा की भारत की दो दिवसीय यात्रा न केवल यूरोप में युद्ध की पृष्ठभूमि के खिलाफ है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव की चिंता से भी जुड़ा है। निक्केई एशिया के अनुसार, इसमें बीजिंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचा निवेश भी शामिल है। इसके अलावा श्रीलंका जैसे वैश्विक दक्षिण देशों में विकास को बढ़ावा देने का मुद्दा भी जुड़ा है।

जापानी प्रधान मंत्री ने इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह के लक्ष्यों के अनुरूप चलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। प्रधान मंत्री ने प्रस्तावित सहायता के हिस्से के रूप में समान विचारधारा वाले राष्ट्रों के सशस्त्र बलों को मुफ्त सुरक्षा सहायता की भी पेशकश की है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर और दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी, मामले की जांच में जुटी पुलिस

नागपुर (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक बार फिर धमकी मिली है। फोन करने वाले शख्स ने उनका घर और ऑफिस उड़ाने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक फोन करने वाले शख्स ने अपना नाम जयेश पुजारी बताया है। उसने कहा है कि पिछली बार उसने 100 करोड़ रुपए मांगे थे। लेकिन इस बार केंद्रीय मंत्री को कम से कम 10 करोड़ रुपए देने होंगे। पश्चिमी नागपुर इलाके के खामला में स्थित नितिन गडकरी की ऑफिस ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद नागपुर पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह फोन गडकरी की खामला ऑफिस में आया था। कॉल करने वाले ने इस बार गडकरी के बजाए उनके घर और ऑफिस को उड़ाने की धमकी दी है। इस कॉल के लिए जिस नंबर का इस्तेमाल हुआ है, वह बेंगलुरू की एक लडक़ी का है। लडक़ी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करती है और उसका दोस्त जेल में है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह फोन कॉल्स आखिर किसने किए थे।

गडकरी की खामला ऑफिस में बैठने वाले एडिशनल प्राइवेट सेक्रेट्री ने कहा कि मंगलवार को हमने दो धमकी भरे फोन रिसीव किए। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री फिलहाल संसद सत्र को अटेंड करने के लिए दिल्ली में हैं। हमने धमकी भरे फोन आते ही स्थानीय पुलिस के यहां मामला दर्ज कर दिया है।

सुप्रीमकोर्ट ने 1000 व 500 रुपऐ के पुराने नोटों को स्वीकार करने की मांग करने वाले अलग-अलग मामलों पर विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को 1,000 रुपये और 500 रुपये के पुराने नोटों को स्वीकार करने की मांग करने वाले अलग-अलग मामलों पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे एक प्रतिनिधित्व के साथ सरकार से संपर्क करें। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने संविधान पीठ के फैसले के बाद कहा, अदालत नोटबंदी वाले नोटों को स्वीकार करने के लिए व्यक्तिगत मामलों में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने के बारे में नहीं सोचती है। हालांकि, पीठ ने व्यक्तिगत याचिकाकर्ताओं को एक प्रतिनिधित्व के साथ सरकार से संपर्क करने की अनुमति दी।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की वास्तविक शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन अधिनियम को बरकरार रखने के मद्देनजर इस अदालत द्वारा कोई राहत नहीं दी जा सकती। इसने आगे कहा कि अगर याचिकाकर्ता केंद्र सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे संबंधित हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। एक वकील के सवाल, ऐसे लोगों को पीड़ित क्यों बनाया जाना चाहिए? पर पीठ ने कहा कि वास्तविक कठिनाइयों का कोई कारण हो सकता है, लेकिन यह अदालत के लिए हस्तक्षेप करने का आधार नहीं हो सकता। इस मामले की सरकार द्वारा जांच की जानी चाहिए।

पीठ ने सरकार को 12 सप्ताह की अवधि के भीतर प्रतिनिधित्व तय करने और व्यक्तिगत शिकायतों की जांच करने का निर्देश दिया। इस साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले में केंद्र के 1,000 रुपये और 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोटों को विमुद्रीकृत करने के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि 8 नवंबर, 2016 की अधिसूचना (विमुद्रीकरण) में निर्णय लेने की प्रक्रिया में कोई दोष नहीं है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि क्या केवल 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोटों का विमुद्रीकरण किया जाना चाहिए था या केवल 1,000 रुपये के नोटों का मूल्यवर्ग किया जाना चाहिए था, यह विशुद्ध रूप से विशेषज्ञों के क्षेत्र के दायरे में है और न्यायिक समीक्षा के क्षेत्र से परे है।

चारधाम यात्रा : केदारनाथ धाम में लगातार हो रही बर्फबारी, भैरव गदेरा में ग्लेशियर टूटने से पैदल मार्ग का एक बड़ा हिस्सा हुआ ध्वस्त

केदारनाथ (आरएनएस)। उत्तराखंड में मौसम में हुए बदलाव के बाद केदारनाथ धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है। 25 अप्रैल से केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होनी है। केदारनाथ यात्रा के लिए पैदल मार्ग को साफ किया जा रहा है। लेकिन मार्ग से बर्फ हटाने वाली टीमों को बहुत मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ रहा है। बीते एक हफ्ते से केदारनाथ धाम में बर्फबारी हो रही है, जिसकी वजह से धाम में यात्रा की तैयारियों में जुटे मजदूरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पैदल मार्ग से मजदूरों ने जैसे-तैसे बर्फ के बड़े-बड़े ग्लेशियरों को हटाया था। लेकिन बर्फबारी के चलते फिर से वहां पर बर्फ जम गई है। वहीं, केदारनाथ धाम में अभी भी पांच फीट तक बर्फ जमी हुई है, जिसे साफ करने में मजदूरों के पसीने छूट रहे हैं। केदारनाथ में बर्फबारी की वजह से जरूर सामग्री भी धाम नहीं पहुंच पा रही है।

एक तरफ जहां बीते कुछ दिनों से प्रदेश में बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिसके कारण एक बार फिर ठंड बढ़ गई है, तो वहीं पहाड़ों पर हो रही लगातार बर्फबारी के कारण लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उधर दूसरी तरफ आज केदारनाथ पैदल मार्ग के भैरव गदेरा में ग्लेशियर टूटा है। ग्लेशियर टूटने से पैदल मार्ग का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है। ग्लेशियर से मार्ग की तबाही देख वहां काम कर रहे श्रमिक भी हैरान हैं। ग्लेशियर टूटने से केदारनाथ जाने वाला पैदल मार्ग बंद हो गया है। केदारनाथ धाम में पिछले एक सप्ताह से लगातार बर्फबारी हो रही है। इस कारण पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं। वहीं श्रमिकों को पैदल मार्ग साफ करने में भी बड़ी दिक्कत पेश आ रही है। मजदूर दुआ कर रहे हैं कि बर्फबारी बंद हो तो वो काम को आगे बढ़ाएं।

आज सुबह जब केदारनाथ धाम के लिए मार्ग से बर्फ हटाकर रास्ता बनाने वाले श्रमिक आगे का काम करने के लिए पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि जिस रास्ते को उन्होंने कड़ी मेहनत से बर्फ हटाकर श्रद्धालुओं की केदारनाथ यात्रा के लिए साफ किया था, वो आज गायब है। देखा तो पता चला कि यहां तो ग्लेशियर टूटा हुआ है। ग्लेशियर ने उनके बनाए रास्ते को पूरी तरह तबाह कर दिया है। जो रास्ता कल तक घोड़े, खच्चर और आम श्रद्धालुओं के जाने के लिए बहुत शानदार बन गया था, उसका आज वजूद ही मिट गया।

इतना बड़ा ग्लेशियर टूटा है कि वो अपने साथ रास्ते को तोडक़र ले गया, लोहे की मजबूत रेलिंग भी कहां गायब हुई पता ही नहीं चल रहा है। अब उस रास्ते पर सिर्फ बर्फ के बड़े-बड़े गोले और बर्फ की खतरनाक ढलान दिख रही है। केदारनाथ मार्ग की ये हालत देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसे बनाने में अब कई दिन और मेहनत करनी पड़ेगी।

220 किलो विस्फोटक और सात सेकेंड में पूरा टावर हुआ जमींदोज

सूरत (आरएनएस)। गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक बिजलीघर के 30 साल पुराने 'कूलिंग टावर' को विस्फोट के जरिए ढहा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक गैस से चलने वाले 'उतरन ताप विद्युत संयंत्र' के करीब 72 मीटर व्यास और 85 मीटर ऊंचे आरसीसी टावर को सुबह करीब 11.10 बजे ढहाया गया।

अधिकारियों ने कहा कि विध्वंस के लिए 220 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। टावर सात सेकेंड के भीतर एक तेज आवाज के साथ नीचे गिर गया, जिससे धूल की एक मोटी परत फैल गई।

एहतियात के तौर पर लोगों को टावर से करीब 250-300 मीटर की दूरी पर रखने के लिए बिजलीघर के आस-पास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई थी। यह बिजलीघर तापी नदी के किनारे स्थित है। एक अधिकारी ने कहा कि टावर के कॉलम की खुदाई के बाद विस्फोटक लगाए गए और इसमें विशेषज्ञों की मदद ली गई।

प्रभारी अपर मुख्य अभियंता आर आर पटेल ने कहा, यह टावर गुजरात राज्य विद्युत निगम के 135 मेगावाट बिजली संयंत्र का हिस्सा था और इसका इस्तेमाल शीतलन उद्देश्यों के लिए किया जाता था। इसकी ऊंचाई 85 मीटर थी, जिसका निचला व्यास 72 मीटर था।

पटेल ने कहा कि सितंबर 2021 में टावर के विध्वंस की प्रक्रिया शुरू हुई और इसके बॉयलर, जनरेटर, टरबाइन और ट्रांसफार्मर को तोड़ दिया गया था।

नार्थ ईस्ट डिस्कवरी : बियॉण्ड गुवाहाटी दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने हरी झण्डी दिखाकर नार्थ ईस्ट डिस्कवरी: बियॉण्ड गुवाहाटी को रवाना किया। इस अनूठी यात्रा में पूर्वोत्तर भारत के 5 राज्यों: असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा व मेघालय का भ्रमण शामिल होगा। इस यात्रा भ्रमण में असम में गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट और काजीरंगा, त्रिपुरा में ऊनाकोटि, अगरतला और उदयपुर, नगालैण्ड में दीमापुर और कोहिमा और मेघालय में शिलांग और चेरापूंजी जैसे पर्यटक स्थल शामिल होंगे। यह पर्यटक रेलगाड़ी 2 सुसज्जित रेल रेस्टोरेन्ट, इनफोटेनमेंट सिस्टम, सीसीटीवी से युक्त है।

पर्यटक ट्रेन मे फर्स्ट एसी के चार व सेकंड एसी के दो कोच होंगे व साथ ही दो रेल रेस्टोरेंट पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। विशेष रूप से तैयार की गई पैन्ट्री कार में भोजन तैयार किया। व परोसा जायेगा। टूरिस्ट ट्रेन में कुल 156 यात्री यात्रा कर सकेंगे। इस ट्रेन पर यात्रियों को दिल्ली सफदरजंग के अलावा गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर, लखनऊ व वाराणसी रेलवे स्टेशनों पर सवार होने व उतरने की सुविधा उपलब्ध होगी।

भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी नार्थ ईस्ट डिस्कवरी : बियॉण्ड गुवाहाटी'' का शुभारंभ माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा आज दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से किया गया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक आशुतोष पंत, सीएमडी, आईआरसीटीसी श्रीमती रजनी हसीजा, मण्डल रेल प्रबंधक, दिल्ली मण्डल, डिम्पी गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री श्रीमती लेखी ने कहा कि ऐसी यात्रा रेलगाडिय़ां भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का एक अवसर प्रदान करती है तथा आज रवाना की गई यह रेलगाड़ी इस वित्तीय वर्ष की 14 वीं टूरिस्ट रेलगाड़ी है। यह वास्तविक रूप से एक भारत-श्रेष्ठ भारत को साकार करती है।

देश के पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन को बढ़ाने व विकसित करने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। आज रवाना को गई यह ट्रेन दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होने के पश्चात कुल 15 दिनों की यात्रा में पर्यटकों को असम स्थित गुवाहाटी, काजीरंगा, जोरहाट व शिवसागर, अरुणाचल प्रदेश में इटानगर, नागालैंड में दिमापुर व कोहिमा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर तथा मेघालय स्थित शिलॉन्ग व चेरापुंजी का भ्रमण कराएगी।

आधुनिक साज सज्जा के साथ तैयार पूर्णतया वातानुकूलित डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन द्वारा संचालित इस यात्रा के द्वारा पर्यटकों को न केवल पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलो के भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा वरन यहाँ की सास्कृतिक, विरासत व प्राकृतिक सौन्दर्य के गौरव की अनुभूति भी होगी। साथ ही भारत गौरव ट्रेन द्वारा संचालित यह यात्रा पूर्वोत्तर के राज्यों को रेल के द्वारा देश के अन्य हिस्सों से जोड़ेगी तथा घेरलू पर्यटको के पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए प्रेरित करेगी।

दिल्ली से रवाना होकर पर्यटक ट्रेन गुवाहाटी पहुंचेगी जहां कामाख्या देवी मंदिर व उमानन्दा मंदिर का दर्शन कराया जाएगा व होटलो में रात्री विश्राम होगा। साथ ही पर्यटक गुवाहाटी मे ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज का आनंद भी ले सकेंगे। गुवाहाटी से चल कर यह ट्रेन अरुणाचल स्थित नाहरलगुन स्टेशन के लिए रवाना होगी जहां पर्यटकों को प्रदेश की राजधानी इटानगर का भ्रमण कराया जाएगा। ट्रेन का अगला पड़ाव असम के पूर्वी भाग में स्थित शिवसागर होगा जो प्राचीन अहोम वंश की राजधानी रहा है। शिवसागर में प्राचीन शिव मंदिर व अन्य विरासत स्थलों का भ्रमण करने के उपरांत पर्यटक जोरहाट के चाय बागान देखते हुए काजीरंगा के लिए बसों द्वारा रवाना किए जाएंगे व काजीरंगा में रात्री विश्राम होगा। अगले दिन काजीरंगा राष्ट्रीय अभयारण्य का भ्रमण कराया जाएगा। काजीरंगा से चलकर पर्यटक फुरकटिंग रेलवे स्टेशन जाएंगे जहां ट्रेन पर सवार होकर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के लिए रवाना होंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

बेमौसम बरसात से 8 व्यक्ति और 36 पशुओं की जान गई

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा सभा के बजट सत्र के दौरान आज बेमौसम बारिश से हुए फसलों के नुकसान का मुद्दा उठा। भाजपा सदस्य शिवरतन शर्मा ने आरोप लगाया कि बरसात से हुए नुकसान का सरकार ने संज्ञान नहीं लिया। अजय चंद्राकर बोले कि रबी की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसान सरकार की नीतियों से बेबस हो गया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने नुकसान का मूल्यांकन कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की। इस पर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि सभी जिला कार्यालयों को निर्देशित किया गया है। आंधी- तूफान और आकाशीय बिजली से 8 व्यक्ति और 36 पशुओं की जान गई है। फसल क्षति का आंकलन अभी जारी है। 15 दिनों के भीतर मुआवजा राशि देने का प्रावधान है, जल्द ही आंकलन के बाद सहायता राशि जारी कर दी जाएगी।

प्राइवेट बस ने मवेशियों के झुंड को मारी टक्कर, 14 गायों की मौत

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में मंगलवार को एक प्राइवेट बस ने मवेशियों के झुंड को टक्कर मार दी, जिससे 14 गायों की मौत हो गई। हादसा बुगाबाविगुडेम गांव के पास अडांकी-नारकेटपल्ली हाईवे पर हुआ। हादसे में 6 गाय भी घायल हो गईं। चेन्नई से हैदराबाद आ रहे बस ने मवेशियों के झुंड को सडक़ पार करते समय टक्कर मार दी। मवेशी के मालिक का आरोप है कि बस चालक की लापरवाही के कारण दुर्घटना हुई और वाहन बहुत तेज गति से चल रहा था। किसान ने कहा कि वह खुद को बचाने के लिए एक तरफ हट गया। बस यात्रियों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। किसान को 7 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने किसान की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत एक घायल

गैरतगंज(आरएनएस)। तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम सोडरपुर और राजपुरा में आकाशीय बिजली गिरने से दो व्यक्तियो की मौत हो गई है वही एक व्यक्ति घायल हो गए हैं। बिजली की चपेट में आने वाले रजपुरा निवासी पप्पू साहू पिता हरचरण साहू उम्र 23 वर्ष हे। बताया जा रहा हे की पप्पू साहू खेत पर गये कुछ ही समय हुआ था। और उस पर गाज गिर गयी एवं राजपुरा से लगभग 7 किलोमीटर दूर सोडरपुर मे उसी बिजली की चपेट मे आकर इंद्रजीत विश्वकर्मा पिता चंद्रहास विश्वकर्मा उम्र 23 वर्ष की मौत हो गई है वही सोडरपुर निवासी बुद्धुरम राय पिता भोगीराम राय की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसे रायसेन रिफर कर दिया गया हे। इंद्रजीत के परिजनों ने बताया की जब बिजली थी तब खेत पर थ्रेसिन का काम चल रहा था। तभी बाहा पर बिजली गिर गयी जिसमे इंद्रजीत विश्वकर्मा की मोत हो गयी। और वहा पर काम करने बालो को भी नुकसान चाहुचा हे कुछ लोगो को सुनने मे दिक्कत हो रही हे। गाज गिरने की बजह से दोनो गांव में मातम का माहौल फैला हुआ हे।

आबकारी नीति घोटाला : के. कविता से आज तीसरी बार पूछताछ कर सकती है ईडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता दिल्ली आबकारी नीति मामले में तीसरे दौर की पूछताछ के लिए मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हो सकती हैं। सोमवार को, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी से लगभग दस घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान उनका सामना हैदराबाद के व्यवसायी अरुण पिल्लई और कुछ दस्तावेजी सबूतों से हुआ। ईडी के समक्ष अपनी पहली उपस्थिति के दौरान, उनका सामना अरुण पिल्लई से हुआ, जिसने दक्षिण समूह का प्रतिनिधित्व किया था और आप नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। पिल्लई ने कहा है कि वह कविता के सहयोगी है।